



दूरभाष / Tel : 26962819, 26567373,
26562134, 26562122 (EPBAX)
फैक्स / Fax : 26569908, 26515637,
26863847, 26862418
वेबसाइट/website: www.dst.gov.in

भारत सरकार
विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग
टेक्नोलॉजी भवन, नया महरौली मार्ग
नई दिल्ली-110 016

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
TECHNOLOGY BHAVAN, NEW MEHRAULI ROAD
NEW DELHI-110 016

No.Misc.1/13/2019-CDN
12.03.2021

Dated:

कार्यालय ज्ञापन

विषय: मंत्रिमंडल के लिए जनवरी, 2021 माह का मासिक सारांश।

अधोहस्ताक्षरी को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के 31 जनवरी, 2021 को समाप्त माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों एवं प्राप्त मुख्य उपलब्धियों के मासिक सारांश की एक प्रति सूचना हेतु भेजने का निर्देश हुआ है।

2. इस मासिक सारांश को सचिव, डी. एस. टी. द्वारा पहले ही अनुमोदित कर दिया गया है।

(पुलक सेन गुप्ता)
अवर सचिव, भारत सरकार

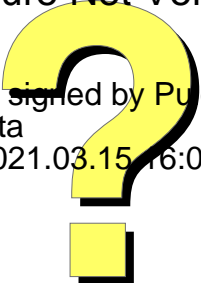
सेवा में,
मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य (Annexure-I)

अनुलग्नकों के साथ प्रति अग्रेषित:

1. उपाध्यक्ष, नीति आयोग, नीति भवन, नई दिल्ली (vch-niti@gov.in)
2. अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग (chairman-upsc@gov.in)
3. मुख्य कार्यकारी अधिकारी, नीति आयोग नीति भवन (ceo-niti@gov.in)
4. प्रधानमंत्री के मुख्य सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय, साउथ ब्लॉक (pkmishra.pmo@gov.in)
5. नीति आयोग के सभी सदस्य, नीति भवन, नई दिल्ली (vk.saraswat@nic.in, rc.niti@gov.in, vinodk.paul@gov.in)
6. भारत के राष्ट्रपति के सचिव (secy.president@rb.nic.in)
7. भारत के उपराष्ट्रपति के सचिव (secyvp@nic.in)
8. भारत सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार (vijayraghavan@gov.in)
9. भारत सरकार के सचिव (secy-goi@lsmgr.nic.in)
10. मुख्य महानिदेशक, प्रेस इनफॉर्मेशन ब्यूरो (pdg-pib@nic.in)
11. निदेशक, केबिनेट सेक्रेटेरिएट (cabinet@nic.in)
12. श्री संजय कुमार मिश्रा, वैज्ञानिक 'जी' डीएसटी (मासिक सारांश को डीएसटी वेबसाइट पर अपलोड करने के लिए) (sanjaykr.mishra@nic.in)
13. सचिव डीएसटी के पी. एस. ओ. (anuj.tripathi@nic.in)

Signature Not Verified

Digitally signed by Puok
Sengupta
Date: 2021.03.15 16:07:33 IST



विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

मासिक रिपोर्ट

जनवरी, 2021

1. माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां:

क. समाज के लिए विज्ञान

1. बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पालेओसाइंसेज (बीएसआईपी) द्वारा दो वार्ताओं का, पहली वार्ता 'जब सहारा हरा था' और दूसरी "यौगिक-विशिष्ट स्थिर आइसोटोप हमें पिछली पर्यावरणीय स्थितियों के बारे में क्या बताते हैं", का आयोजन किया गया।
2. बीएसआईपी की कोविड-19 जांच लैब ने प्रयोगशाला की स्थापना से लेकर अब तक सवा लाख से अधिक नमूनों की जांच संचालित की है।
3. इंडियन एसोसिएशन फॉर द कल्टीवेशन ऑफ साइंसेज (आईएसीएस) ने भारतीय शिक्षण मंडल (दक्षिणबंग प्रांत) के सहयोग से "विज्ञान प्रौद्योगिकी नवाचार नीति (एसटीआईपी), 2020के मसौदे से परिज्ञान" पर राष्ट्रीय वेबिनार का आयोजन किया।
4. रमन अनुसंधान संस्थान के आचार्यों ने महामारी के संकट को नियंत्रित करने हेतु अचानक लॉकडाउन लगाने की जिसमें बाद में क्रमिक रूप से ढील दी गई, प्रभावशीलता का खुलासा किया है। अध्ययन का मुख्य परिणाम बताता है कि पालन करने के लिए सबसे अच्छी कार्यनीति वह है जिसमें अचानक लॉकडाउन लगाया जाता है, जिसके बाद रोग के तेजी से विकास के सम्यक् बोध के आधार पर क्रमिक रूप से ढील दी गई।
5. माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान मंत्री डॉ हर्षवर्धन ने नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन (एनआईएफ) भारत द्वारा विकसित नवाचार पोर्टल को राष्ट्र के लिए समर्पित किया। इनोवेशन पोर्टल ने देश के आम लोगों से फिलहाल 1.15 लाख नवाचारों की खोज कारवाई है।
6. जैविक खेती को बढ़ावा देने और खेती में निविष्ट लागत और रसायनों का भार न्यूनतम करने के लिए, मक्के और बंदगोभी में अवपाती सैनिक शलभ तथा ऐफिड कीटों के प्रबंधन हेतु जड़ी बूटीय पादप रक्षक प्रौद्योगिकियों का क्षेत्र प्रदर्शन गुजरात के गांधीनगर और साबरकांठा जिलों में 35 किसानों के खेतों में एनआईएफ द्वारा किया गया ।
7. विज्ञानप्रसार ने भारत में कोविड-19 पर एसएंडटी प्रयासों-स्टार्टअप विशेष ई-न्यूजलेटर, को प्रकाशित किया। आत्मनिर्भर भारत विषयक नई साप्ताहिक श्रृंखला "विज्ञान के साथ आत्मनिर्भर भारत" विज्ञान चैनल पर शुरू हुई।
8. भारतीय विज्ञान अकादमी (आईएएससी) -डिपार्टमेंट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी गांधी लेक्चर सीरीज ऑन साइंस एंड फ्यूचर ऑफ ह्यूमैनिटी "वेबिनार श्रृंखला की शुरुआत आईएएससी द्वारा की गई।
9. राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (एनएसआई) ने 'लाइफ साइंसेज में वर्तमान रुझान' और 'प्लांट बायोलाॅजी में हालिया रुझान' पर वेबिनारों का आयोजन अन्य संस्थानों/विश्वविद्यालयों और राष्ट्रीय विज्ञान अकादमियों के सहयोग से किया।
10. नेक्टर ने "चारतोबा फॉर्म ऑफ पॉटरी को उद्यम में परिवर्तित कर प्रौद्योगिकीय बेहतरकारी उपाय के माध्यम से टिकाऊ आजीविका का प्रस्तुत अवसर" नामक मणिपुर स्थित परियोजना में कार्यरत विभिन्न कारीगरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम को सहायित किया।
11. देश के जियोस्पेशियल स्टार्ट-अप्स और ज्ञान संस्थानों के लिए 'कोविड-19 पश्च हालात में आर्थिक

विकास के पुनरुज्जीवनकारी एवं पुनः प्रचलनकारी भूस्थानिक विश्लेषणतंत्र'विषयक हाल ही में बंद कॉल फॉर प्रपोजल जो अग्नि पहल (नव भारतीय नवोन्मेष त्वरक वृद्धि) के सहयोग से जारी हुए,(9 जनवरी, 2021 को बंद) के तहत कुल 140 प्रस्ताव प्राप्त हुए।

12. कार्यक्रम प्रभाग ने टाईकॉन पुनरुत्थान 2021 राष्ट्रीय कार्यक्रम को सहायित किया। उद्यमियों और स्टार्टअप्स ने नवाचार और उद्यमिता के लिए भविष्य की कार्यवाही-योजना तय करने के कार्यक्रम में भाग लिया।
13. अकादमिक और इंजीनियरिंग संस्थानों द्वारा नवाचार और उद्यमिता प्रशिक्षण कार्यक्रम यानी महिला उद्यमिता विकास कार्यक्रम (डबल्यूईडीपी), प्रौद्योगिकी आधारित उद्यमिता विकास कार्यक्रम (टीईडीपी) और संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी) आयोजित करने के लिए 25 नई परियोजनाओं को सहायित किया गया।
14. कुप्पम इंजीनियरिंग कॉलेज, कुप्पम में स्थापित न्यू जन आईईडीसी (न्यू जनरेशन इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर) की सलाहकार समिति की बैठक पिछले एक साल में हुई प्रगति की समीक्षा करने के लिए आयोजित की गई। पिछले एक वर्ष के दौरान, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्मार्ट सिटी, जल शोधन और यातायात प्रबंधन के क्षेत्रों में 15 नवोन्मेषी छात्रों की परियोजनाओं को सहायित किया गया। उन्होंने व्यवसायीकरण के उद्देश्य से प्रोटोटाइप को परिष्कृत करने के लिए उद्योग के साथ संवादकारी बैठक की व्यवस्था की। पांच छात्र टीमों ने पेटेंट दाखिल किए और दो छात्र टीमों ने स्टार्ट-अप्स स्थापित किए।
15. रामचंद्र कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में स्थापित न्यू जन आईईडीसी (न्यू जेनरेशन इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर) की सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन पिछले एक साल की प्रगति की समीक्षा के लिए किया गया। पिछले एक साल के दौरान 20 स्टूडेंट टीमों ने पेटेंट के लिए अप्लाई किया और 8 स्टूडेंट टीमों को स्टार्टअप सेटअप करना है।
16. शशि इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग में स्थापित न्यू जन आईईडीसी (न्यू जेनरेशन इनोवेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट सेंटर) की सलाहकार समिति की बैठक, पिछले एक वर्ष की प्रगति की समीक्षा करने के लिए आयोजित की गई। पिछले एक वर्ष के दौरान, पांच छात्र टीमों ने पेटेंट के लिए आवेदन दिए और दो छात्र टीमों को स्टार्ट अप स्थापित करना है।
17. आदिवासी समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास हेतु लेमन ग्रास तेल और अन्य आवश्यक सुगंधित तेलों के निष्कर्षण के लिए सिद्धो कान्हो बिरसा विश्वविद्यालय स्थित एसटीआई हब द्वारा पुरुलिया ब्लॉक में सामुदायिक पैमाने पर आसवन संयंत्र स्थापित किया गया।
18. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय स्थित एसटीआई हब ने 9 स्थान विशिष्ट प्रौद्योगिकियों का विकास किया था और 8 सूक्ष्म उद्यम स्थापित किए गए थे। दो मोबाइल ऐप (सारथी और मझिशला) विकसित किए गए और परियोजना के तहत सभी लक्षित गांवों के लिए ग्राम सूचना तंत्र विकसित किया गया।
19. एसएचजी / एफपीओ उद्यमों के निर्माण के द्वारा यादगीर जिले में कुपोषण का समाधानकारी प्रयत्न करने और ग्रामीण आजीविका प्रदान करने के लिए परियोजना शुरू की गई है। इस परियोजना से भरमार फसल-पश्च ऋतु में किसानों द्वारा संकटकालीन बिक्री को कम करने और कृषिगत कृश ऋतु के दौरान पोषण उत्पाद और आजीविका प्रदान करने की सुविधा होगी।
20. ग्रीन टेक्नोलॉजीज (स्थायीकृत मड ब्लॉक और बांस) का उपयोग करके पारंपरिक स्वास्थ्य लाभ प्रणाली संवर्धन केंद्र का निर्माण ऊपरी शिलांग, मेघालय में पूरा कर लिया गया था।
21. एकीकृत मॉडल गांव (3 सं)- ने मणिपुर में लोंगा कोइरेंग और जंगमोल गांवों के लिए पॉलीहाउस की

ट्यूबलर संरचना के बाह्य स्थाने विरचन का प्रगत निर्माण किया था।

ख .राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी मिशन

1. त्रिपक्षीय करार 6 और प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्रों के साथ हस्ताक्षरित हुए और राष्ट्रीय (टीआईएचएस) के तहत स्थापित प्रौद्योगिकी नवाचार हब (आईसीपीएस-एनएम) अंतरविषयक साइबर भौतिक प्रणालियों को (टीआईएच)37.00 करोड़ रुपये की प्रारंभिक किश्त जारी भी कर दी गई है।

ग. प्रौद्योगिकी विकास

1. इंटरनेशनल एडवांस्ड रिसर्च सेंटर फॉर पाउडर मेटलर्जी एंड न्यू मैटेरियल्स ने स्वदेश (एआरसीआई) के साथ सज्जित साइकिल (एचपीसीएल संयुक्त परियोजना के तहत-एआरसीआई) निर्मित सुपरकैपेसिटर चलाने के लिए सुपरकैपेसिटर मॉड्यूल का प्रदर्शन किया ।1200 एफ के सुपरकैपेसिटर पेट्रोलियम कोक से व्युत्पन्न स्वदेशी रूप से विकसित सरंध कार्बन का उपयोग करके उत्पादित किए गए ।
2. एआरसीआई ने मोबाइल फोन चार्जिंग अनुप्रयोगों के लिए अखंड रूप से समाकलित विन्यास में सीआईजीएस थिन फिल्म सौर मॉड्यूल)100 मिमी x 100 मिमीका प्रोटोटाइप विकसित क (िया।



(थिन फिल्म सौर मॉड्यूल)

3. एआरसीआई ने लागत साधक प्रक्रिया द्वारा दो स्तरीय अनुक्रमिक सौर अवशोषक ट्यूबों)24x1मी) को बहुसंख्या में विकसित किया और इसकी आपूर्ति प्रोटोटाइप सोलर वॉटर हीटर असेंबली और फील्ड सत्यापन के लिए उद्योग को की ।



(सौर अवशोषक ट्यूब)

4. श्री चित्रा तिरुनल आयुर्विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान, त्रिवेंद्रम ने सुपर (एससीटीआईएमएसटी) इलास्टिकएनआईटीआईएनओएल मिश्र धातु का उपयोग करके राष्ट्रीय एयरोस्पेस प्रयोगशालाओं, बेंगलूर के सहयोग से एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट ओक्लुडर और इंटा (एनएएल-सीएसआईआर)क्रैनियल फ्लो डायवर्टर स्टेंट नाम के दो बायोमेडिकल इंप्लांट उपकरण विकसित किए हैं । एससीटीआईएमएसटी ने इन दो बायोमेडिकल इंप्लांट उपकरणों के लिए मेसर्स बायोराड मेडिस के साथ प्रौद्योगिकी अंतरण करार भी किए हैं ।



(चित्रा एसडी ओक्लुडर)

5. इंटिग्रेटेड कॉल ऑन मटेरियल एक्सीलरेशन प्लेटफॉर्म पर कॉल के लिए स्क्रीनिंग मीटिंग (एमएपी-आईसी) 27-29 जनवरी 2021 को आयोजित की गई। बैटरी, सुपरकैपेसिटर, थर्मल स्टोरेज, बायोफ्यूलबायोमास/, हाइड्रोजन और ईंधन जैसे विभिन्न प्रक्षेत्रों के तहत कुल 203 ईओआई प्राप्त हुए और उनका मूल्यांकन किया गया।
6. भूगोल विभाग, कुमाऊं विश्वविद्यालय, एसएसजे परिसर, अल्मोड़ा, उत्तराखंड द्वारा डवलपमेन्ट ऑफ ए "फ्रेमवर्क एंड गाइडलाइन्स फॉर स्पैटियल डेटा एसेट्स मैनेजमेंट एंड एप्लीकेशन फॉर यूज़ ऑफ़ उत्तराखंड नामक परियोजना की गतिविधियों "स्टेट" के परिणामस्वरूप उत्तराखंड राज्य में स्थानिक डेटा एसेट प्रबंधन तथा अन्य संबंध उद्देश्यों के लिए प्राधार तथा दिशानिर्देश निर्मित हुआ जिससे शहरी अभिशासन, जल संसाधन प्रबंधन, आपदा प्रबंधन और पुलिसिंग में जीआईएस के अनुप्रयोग में राज्य का क्षमता निर्माण हो सकता है।
7. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना, बिहार के लिए परियोजना अवधि का विस्तार स्वायत्त सेंसर " परियोजना गतिविधियों को पूरा करने "स्थानिक स्थल अनुमान और नेविगेशन-स्मार्ट सिटी में भू/नेटवर्क के लिए किया गया। इस परियोजना का उद्देश्य भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों के मॉल में स्मार्ट पार्किंग के लिए स्थानीयकरण और नेविगेशन प्रणाली और सफाई कर्मचारियों और लोगों के लिए आईओटी से संबद्ध स्वच्छकारी प्रणाली को डिजाइन और विकसित करना है।
8. विभिन्न भू विकसित करने के लिए प्रभाग की/स्थानिक प्रौद्योगिकियों और उपकरणों को बढ़ावा देने- विभिन्न योजनाओं के तहत विभिन्न अनुसंधान और विकास गतिविधियों को सहायित किया गया। विवरण इस प्रकार हैं:
 - सीएसआईआर" हैदराबाद को (एनजीआरआई) नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट-आकाश जनित गुरुत्व प्रेक्षण का उपयोग करके क्षेत्रीय हाइड्रोलॉजिकल सिस्टम का भूजल आकलन" के लिए अनुसंधान और विकास सहायता प्रदान की गई।
 - सीएसआईआर फोर्थ प्रतिमान संस्थान सीएसआईआर-4पीआई, विंड टनल रोड, बेलूर, बेंगलूर को "आकाश जनित गुरुत्व प्रेक्षण का उपयोग करते हुए क्षेत्रीय जलविज्ञान आकलन: उत्तरपूर्व भारत तथा ऊपरी गंगा नदी बेसिन में जलविज्ञानी भारण के कारण विरूपण का राउस्ट आकलन "के लिए अनुसंधान और विकास सहायता प्रदान की गई।
 - राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान, रुड़की, उत्तराखंड को ऊपरी गंगा बेसिन के जलविज्ञान और "क्रायोस्फीयर में मौसमी विचरण आकलन के लिए अनुसंधान और विकास सहायता प्रदान की गई। "
 - सेंसर, आईओटी और जीआईएस का उपयोग करके स्मार्ट पार्किंग प्रबंधन तंत्र विकास के लिए अनुसंधान और विकास गतिविधियों को पूरा करने के लिए प्रगत संगणन विकास केंद्र (डैक-सी), हैदराबाद को सहायता प्रदान की गई है।

- “चुमाथांग, लद्दाख में तापन स्थल की भू-तापीय ऊर्जा संबंधी प्रदर्शन परियोजना का अनुरक्षण” हेतु सिविल अभियांत्रिकी विभाग, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, हमीरपुर को सहायता प्रदान की गई।
- “पूर्वी राजस्थान के कमांड्स में खाद्य सुरक्षा हेतु सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के जरिए सिंचित क्षेत्रों के विस्तार की संभावनाओं की भूस्थानिक प्रौद्योगिकियों द्वारा खोज” के लिए रिमोट सेंसिंग विभाग, बिड़ला वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान, जयपुर को आरएंडडी सहायता प्रदान की गई।

घ.अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

1. भारत-बेल्जियम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संयुक्त समिति की 18 जनवरी, 2021 को आभासी मंच पर आयोजित 5वीं बैठक में भागीदारी की गई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारतीय पक्ष की ओर से डा. एस.के.वाष्णीय, अध्यक्ष-अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग, डीएसटी द्वारा और बेल्जियम पक्ष की ओर से सुश्री मार्गारिडा फ्रेयर, विभागाध्यक्ष, फेडरल, इंटरफेडरल एंड इंटरनैशनल को-ऑर्डिनेशन, बीईएलएसपीओ द्वारा की गई। बैठक के दौरान, एफएफटी प्रभाग, डीएसटी ने संयुक्त कार्यकलापों में द्विपक्षीय सहयोग तथा प्रगति से संबंधित प्रासंगिक प्रमुख एसएंडटी नीतिगत घटनाक्रमों पर हुए विचार-विमर्शों में विशेष रूप से भागीदारी की।
2. एफएफटी प्रभाग ने क्वांटम कम्प्यूटिंग सहयोग के क्षेत्र में पता लगाए जा सकने वाले संभावित प्रक्षेत्रों और उपायों पर सम्यक बोध प्राप्त करने के लिए मीका टिरॉनेन, काउंसिलर ऑफ एजुकेशन एंड साइंस, फिनलैंड दूतावास के साथ 29 जनवरी, 2021 को चर्चा बैठक की। बैठक के दौरान, फिनलैंड ने कुछ नवोन्मेषी क्वांटम पारिस्थितिकियां प्रस्तुत कीं और स्पष्ट किया कि भारतीय क्वांटम कम्प्यूटर (54 सुपरकम्प्यूटिंग क्यूबिट्स) को भारत में फिनिश भागीदारों के साथ बनाया जा सकता है।
3. मिशन नवोन्मेष (एमआई) सदस्य देशों के अधिकारियों के साथ एमआई मंच माँड्यूल्स/ कार्यकलापों के उद्देश्यों, कार्यक्षेत्र और प्रभाव तथा मिशन नवोन्मेष चुनौतियों पर एमआई के भावी कार्यक्रमों के अगले कदमों पर चर्चा करने के लिए बैठक आयोजित की गई।
4. स्मार्ट ग्रिड संबंधी चल रहे क्रियाकलापों एवं अनुसंधान पद्धतियों, मुख्य चुनौतियों तथा भावी कार्य पर चर्चा करने के लिए विद्युत मंत्रालय, भारतीय स्मार्ट ग्रिड फोरम, यूरोपीय आयोग, फ्लोरेंस स्कूल ऑफ रेगुलेशन के अधिकारियों एवं विशेषज्ञों के साथ बैठक की गई।
5. मिशन नवोन्मेष आईसी7: भवनों के किफायती तापन एवं शीतलन संबंधी जारी कार्यकलाप तथा भविष्य के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए आईआईटी रुड़की के विशेषज्ञों के साथ परिचर्चा बैठक आयोजित की गई।
6. **भारत-बेल्जियम संयुक्त समिति बैठक:** भारत-बेल्जियम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संयुक्त समिति की 18 जनवरी, 2021 को आभासी मंच पर आयोजित 5वीं बैठक में भागीदारी की गई। इस बैठक की सह-अध्यक्षता भारतीय पक्ष की ओर से डा. एस.के.वाष्णीय, अध्यक्ष-अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रभाग, डीएसटी द्वारा और बेल्जियम पक्ष की ओर से सुश्री मार्गारिडा फ्रेयर, फेडरल, विभागाध्यक्ष, इंटरफेडरल एंड इंटरनैशनल को-ऑर्डिनेशन, (बेल्जियम फेडरल साइंस पॉलिसी ऑफिस) द्वारा की गई। दोनों पक्षों ने द्विपक्षीय सहयोग के लिए प्रासंगिक एसएंडटी नीतिगत घटनाक्रमों पर चर्चा की, जारी संयुक्त परियोजना की स्थिति और खगोलविज्ञान सहयोग की समीक्षा की। विभिन्न विषयों यथा माइक्रोबायोलॉजिकल बायोबैंक, भूविज्ञान, साइबर सुरक्षा और रिमोट सेंसिंग में संभावित सहयोग पर भी चर्चा की गई। डीएसटी और बीईएलएसपीओ वर्ष 2020-21 में आरंभ किए जाने वाले द्विपक्षीय कार्यकलापों के लिए संयुक्त योजना तैयार किए जाने और संयुक्त प्रस्ताव आह्वान शुरू करने पर सहमत हुए।

7. **ब्रिक्स विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की 10वीं बैठक:** भारत ने जनवरी 2021 से ब्रिक्स की अध्यक्षता ग्रहण कर ली है। शृंखलावार कार्यक्रमों और मंत्रिस्तर सहित बैठकों एवं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की भारत द्वारा मेजबानी की जाएगी। इस संदर्भ में, डीएसटी ने भारत द्वारा ब्रिक्स की अध्यक्षता की अवधि के दौरान कार्यसूची, प्राथमिकताओं, प्रदेषों और आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा करने के लिए 20 जनवरी 2021 को ब्रिक्स विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष संचालन समिति की 10वीं बैठक की मेजबानी की। इस बैठक में ब्रिक्स वैज्ञानिक मंत्रालयों, विदेशी मिशनों और एमईए के प्रतिनिधि उपस्थित हुए।
- इस बैठक में ब्रिक्स वैज्ञानिक आयोजनों और कार्यक्रमों के कैलेंडर को अंतिम रूप दिए जाने पर मुख्य रूप से चर्चा की गई। सभी देश ब्रिक्स देशों के समक्ष आई हुई चुनौतियों का समाधान कर सकने में सक्षम क्षेत्रों में फ्लैगशिप परियोजनाओं पर पहल करने पर सहमत हुए। भारतीय पक्ष ने प्रस्ताव किया कि डिजिटल स्वास्थ्य और परंपरागत चिकित्सा के क्षेत्र में भारत के योगदान को आगे बढ़ाने के लिए ब्रिक्स द्वारा इस क्षेत्र में फ्लैगशिप परियोजनाएं प्रारंभ की जाएं। ब्रिक्स एमओयू, इसके संस्थापन, के अंतर्गत पिछले पांच वर्षों (2015-2020) में हुई प्रगति की समीक्षा करने तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेष (एसटीआई) में ब्रिक्स सहयोग को सरल और कारगर बनाने का भी प्रस्ताव किया गया। भारत ठोस परिणाम एकत्र करने के लिए संरूप तैयार करेगा और सूचना एकत्र करने के लिए उसे सभी को परिचालित करेगा। ब्रिक्स एसटीआई सहयोग की प्रवृत्तियों तथा परिज्ञान एवं समग्र स्थिति को समझने के लिए आंकड़ों का मिलान किया जाएगा और उनका विश्लेषण किया जाएगा तथा आवश्यकतानुसार कार्यक्रम का अनुकूलन किया जाएगा।
8. **भारत-ईयू जल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक:** भारत-ईयू जल सहयोग कार्यक्रम का लक्ष्य किफायती, अपजल अभिक्रिया, गाद अभिक्रिया, वर्षा जल संग्रहण और वास्तविक समय में जल गुणवत्ता निगरानी प्रौद्योगिकियों का रूपांकन करना, उनका विकास करना, उनकी जांच करना और उनका नियोजन करना है। परियोजनाओं का निधीयन भारतीय पक्ष की ओर से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) द्वारा और ईयू पक्ष की ओर से यूरोपीय आयोग अनुसंधान एवं नवोन्मेष महानिदेशालय द्वारा किया गया है। भारत और यूरोप के एसएमई, उद्योग और एनजीओ सहित लगभग 80 अनुसंधान संगठन इस कार्यक्रम के अंतर्गत एकसाथ कार्यरत हैं। भारत की ओर से अग्रणी संस्थानों में आईआईटी (आईआईटी मद्रास, आईआईटी बंबई, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी रुड़की, आईआईटी गुवाहाटी), एमएनआईटी जयपुर, बीआईटीएस गोवा, सीएसआईआर-नीरी और एएमयू अलीगढ़ शामिल हैं। मौजूदा परियोजनाओं को अपजल की अभिक्रिया का, क्रमशः पुनःप्रयोज्य और पेय जल दोनों की दृष्टि से, समाधानकारी प्रयत्न करने वाले उन्नत एवं कार्यसाधक तंत्र के बतौर देखा जा सकता है। इसके अतिरिक्त, फैलते संदूषकों को जो हाल के समय में बढ़ता हुआ खतरा बन रहे हैं, संभालना इन कार्यक्रमों का अभिन्न हिस्सा है। प्रयोक्ता समुदायों की बढ़ती हुई मांग को देखते हुए प्रणाली में वास्तविक समय में निगरानी, और सुधारात्मक क्रियाविधि को तंत्र में शामिल किया गया है जिससे निर्णय में सहायता हेतु प्रौद्योगिकियों और कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन शिक्षण जैसे साधनों का उपयोग संभव हुआ है। अधिकांश प्रायोगिक संयंत्र अगले 6-8 माह में तैयार होंगे और प्रति दिन 50-150 क्यूबिक मीटर की विविध क्षमता वाले प्रायोगिक संयंत्र का उपयोग करके देश भर में लगभग 30 स्थानों पर प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया जाएगा।

ड.मानव क्षमता निर्माण

1. **डीएसटी-एनजीपी ग्रीष्म/शीतकालीन भूस्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी स्कूल के लिए** हाल में जारी प्रस्ताव आह्वान के अंतर्गत प्राप्त प्रस्तावों (120 प्रस्ताव प्राप्त हुए) की भली-भांति जांच की गई।
2. 'भूस्थानिक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी क्षमता निर्माण एवं प्रशिक्षण (ग्रीष्म/शीतकालीन स्कूल)' के लिए पुनर्गठित विशेषज्ञ समिति की प्रथम बैठक आभासी रूप से 28 और 29 जनवरी 2021 को आयोजित की गई। इसी बैठक का मुख्य उद्देश्य हाल के आह्वान के अंतर्गत विभिन्न श्रेणियों में प्राप्त प्रस्तावों की जांच करना, सहायता हेतु उनकी संस्तुति करना और कार्यक्रम में सुधार के लिए निविष्टियां प्रदान करना था।
3. यूजीसी के पुनरभिविन्यास कार्यक्रम/पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के लिए राष्ट्रीय भूस्थानिक कार्यक्रम (पूर्व में प्राकृतिक संसाधन डेटा प्रबंधन प्रणाली), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा तीन सप्ताह के भूस्थानिक ग्रीष्म/शीतकालीन स्कूल की अका:डन्स ऑफ इक्विवलन्स की प्रक्रिया प्रारंभ की गई। इससे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के शिक्षकों को भागीदारी करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा और हमारे शिक्षण संस्थानों में भूस्थानिक प्रौद्योगिकी के अध्ययन को लोकप्रियता मिलेगी।
4. विभिन्न स्तरों पर एकीकृत संसाधन प्रबंधन और क्षमता निर्माण के उपकरण और तकनीक विकसित करने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत सहायता निम्नलिखित हेतु प्रदान की गई है :-
 - सिविल इंजीनियरिंग विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, अगरतला, बरजला, त्रिपुरा-799046 द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के प्राकृतिक संसाधन डेटा प्रबंधन प्रणाली (एनआरडीएमएस) कार्यक्रम के तहत "भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी" विषयक ग्रीष्मकालीन/शीतकालीन स्कूल-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना।
 - "भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी" पर 21 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन के लिए वास्तुकला और आयोजना विभाग राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कॉलिकट, एनआईटी, परिसर, केरल द्वारा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली के प्राकृतिक संसाधन डेटा प्रबंधन प्रणाली (एनआरडीएमएस) कार्यक्रम के तहत "भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी" पर ग्रीष्मकालीन/शीतकालीन स्कूल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन करना।
5. **इंस्पायर अवार्ड्स-मानक:** जनवरी 2021 में एसईआरटी, हिमाचल प्रदेश द्वारा राज्य स्तरीय प्रदर्शनी एवं परियोजना (एसएलईपी) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें 29 छात्रों का चयन किया गया।
6. **विज्ञान ज्योति:** विज्ञान ज्योति कार्यक्रम के संदृश्य और दीर्घकालिक लक्ष्यों को साझा करने के लिए जेएनवी के प्रधानाचार्यों और नोडल अधिकारियों के साथ जनवरी 2021 में चार प्रारंभिक बैठकें आयोजित की गई हैं। सभी वीजे स्कूलों को नौवीं और ग्यारहवीं कक्षा के छात्रों को शामिल करते हुए संशोधित कार्ययोजना के साथ प्रारंभ किया गया।

विशेष ऑनलाइन कक्षाएं: इस महीने में, कक्षा 12वीं के छात्रों के लिए 101 ऑनलाइन कक्षाएं और 11वीं कक्षा के छात्रों के लिए 36 कक्षाएं आयोजित की गई हैं ताकि उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने के लिए संकल्पना और कौशल में अधिक स्पष्टता मिल सके।
7. **महिलावैज्ञानिकयोजना:** डब्ल्यूओएस-बी कार्यक्रम के तहत प्राप्त नए प्रस्तावों पर अंतिम सिफारिशके लिए विषय विशेषज्ञ समितियों की तीन बैठकें आयोजित की गई हैं। डब्ल्यूओएस-बी कार्यक्रम के तहत 110 परियोजनाओं की सिफारिश की गई है। जनवरी के दौरान डब्ल्यूओएस-ए और डब्ल्यूओएस-बी कार्यक्रमों के तहत 73 परियोजनाओं के लिए अनुदान जारी किया गया है।
8. **सत्यम:** सत्यम-विशेष कॉल के तहत 29 परियोजनाओं की सिफारिश की गई है जो कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए लक्षित हैं।

9. **ओआरडीसी और ईएमआरसी (पूर्वतर परियोजनाएं):** फीड्स, हेंगबुंग यानी ऑर्किड रिसर्च डेवलपमेंट सेंटर (ओआरडीसी) और एथनो-मेडिसिनल रिसर्च सेंटर (ईएमआरसी) में दो केंद्रों की क्षमता का मूल्यांकन करने और बाजार प्रेरित गतिविधियों पर आगे मार्गदर्शन के लिए 11 जनवरी, 2021को सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई।
10. **अभिप्रेरित अनुसंधान के लिए विज्ञान की खोज में नवोन्मेष (इंस्पायर) योजना**
- क. इंस्पायरइंटरनशिप**
- तीन इंस्पायर इंटरनशिप साइंस कैंप की रिपोर्ट को सेटल किया गया।
- ख. उच्च शिक्षा छात्रवृत्ति (एसएचई):**
- आधारभूत और प्राकृतिक विज्ञान में बीएससी/एमएससी डिग्री कोर्स करने के लिए 4129 एसएचई शोधार्थियों को छात्रवृत्ति प्राप्त हुई।
- ग. इंस्पायरअध्येतावृत्ति:**
- लगभग 113 कार्यरत इंस्पायर फैलो ने पीएचडी की डिग्री हासिल करने के लिए फैलोशिप प्राप्त की।
 - एक इंस्पायर फैलो ने पीएचडी की डिग्री हासिल करने के लिए अपनी प्रथम वर्षीय इंस्पायर फैलोशिप किस्त प्राप्त की।
 - इंस्पायर फैलोशिप अनुप्रयोगों के स्तर-2 मूल्यांकन के लिए पृथ्वी और वायुमंडल विज्ञान, रसायन विज्ञान, इंजीनियरिंग विज्ञान, भौतिक विज्ञान कृषि और पशु चिकित्सा विज्ञान, जैव विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी और गणित विज्ञान की विषय विशेषज्ञ समिति की बैठकें वी.सी. के माध्यम से आयोजित की गईं।
11. डीएसटी में फिस्ट सलाहकार बोर्ड की बैठक में "फिस्ट योजना पर प्रभाव मूल्यांकन रिपोर्ट" नामक सीएचओआरडी के तहत उत्प्रेरित और सहायित नेटवर्क परियोजना अध्ययन प्रवर्तित किया गया।
12. कार्यशील "इंडिया इनोवेशन एंड सिस्टम सर्वे प्रोजेक्ट" के लिए यूनिडो के साथ टीएसी की बैठक आयोजित की गई।
13. एसएंडटी डोमेन में विभिन्न हितधारकों को "अनुसंधान और विकास सांख्यिकी, 2019-20" पर नवीनतम विषयगत प्रकाशन का प्रसार किया गया।

च. वैज्ञानिक अवसंरचना निर्माण

1. बोसइंस्टीट्यूट (बीआई) ने हेयरपिन जैसे सिंथेटिक पैराटोप (एसपी1, ~2kडीए) की सूचना दी। यह पैराटोप A β मोनोमर के एकत्रीकरण को रोकता है और पूर्वनिर्मित एमिलॉयड फिब्रिल को गैर-विषाक्त प्रजातियों में परिवर्तित कर देता है।
2. बोस इंस्टीट्यूट (बीआई) ने मानव-बैक्टीरिया प्रोटीन-प्रोटीन इंटरएक्शन की गतिविधि पर मेजबान-रोगजनक इंटरएक्शन का पता लगाने के लिए अध्ययन किया, अंतर विशिष्ट मानव-बैक्टीरिया इंटरएक्शन में मानव और जीवाणु रोगजनक दोनों के आंतर विशिष्ट क्षेत्रों और गत्यवरोध के तरजीही प्रश्रय का पता चला।
3. नैनो विज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थान (आईएनएसटी) के वैज्ञानिकों ने दिखाया कि अल्ट्रा-हाई मोबिलिटी इलेक्ट्रॉन गैस क्वांटम उपकरणों में जानकारी, अंतरण गति और डेटा भंडारण घनत्व को बढ़ा सकती है।
4. रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (आरआरआई) में किए गए शोध ने विभिन्न जैविक प्रक्रियाओं में अतिकुंडलित डीएनए की कार्यात्मक भूमिका को समझने के लिए इसके संरचनात्मक परिदृश्य के गहन सम्यक बोध हेतु इन-हाउस निर्मित क्वार्ट्ज नैनोपोर्स को आशाजनक संवेदन मंच के रूप में प्रमाणित किया है। विशेष रूप से, एकल-अणु डीएनए अतिकुंडलित संरूपण और एंजाइम-निर्भर थोक संरूपण परिवर्तन दोनों के एक साथ मापन का प्रदर्शन किया गया।

5. दक्षिण अफ्रीका के जोहानसबर्ग विश्वविद्यालय के सहयोगी के साथ रमन अनुसंधान संस्थान के तारा भौतिक विज्ञानियों ने अल्ट्रा हाई-एनर्जी कॉस्मिक किरणों के स्पेक्ट्रम और संरचना का प्रतिरूप बनाया है। अतिरिक्त मंदाकिनीय स्रोतों की दो समष्टियां, एक समष्टि प्रोटॉन को त्वरित करती है, जबकि दूसरी समष्टि हीलियम, नाइट्रोजन, सिलिकॉन, और आयरन को त्वरित करती है, अल्ट्रा हाई एनर्जी कॉस्मिक रे के स्पेक्ट्रम तथा संयोजन डेटा में स्वीकार्यता प्रदान करने वाली पायी गयीं।
6. एस एन बोस नेशनल सेंटर फॉर बेसिक साइंसेज (एसएनबीएनसीबीएस) द्वारा गैर-मार्कोवियनिटी का कान्वेक्स संसाधन सिद्धांत प्रमाणित किया गया है। एसएनबीएनसीबीएस ने प्रसंभाव्य हॉजकिन-हक्सले तंत्रिकोशिका में तुल्यकालन तथा उपापचयी ऊर्जा व्यय का अन्वेषण किया। एसएनबीएनसीबीएस ने गैस प्रावस्था में भारी पानी के आर्थो और पैरा नाभिकीय प्रचक्रण समावयियों की उच्च-रिज़ॉल्यूशन स्पेक्ट्रमी खोज पर अध्ययन किया।
7. वाडियाहिमालयभूविज्ञानसंस्थानने पुष्टि की कि गढ़वाल हिमालय में 2013 की भीषण जलविज्ञानी दुर्घटना के दौरान 26243×10^4 घनमीटर तलछट बड़ी मात्रा में केदारनाथ घाटी में संघटित हुआ तथा 50×10^4 घनमीटर रिक्थ तलछट श्रीनगर घाटी में प्रवाह से क्षयग्रस्त हो गया और विभिन्न क्षेत्रीय अभिलेखागारों के सुसंगत वृक्ष वलय स्थायी समस्थानिक और ऑक्सीजन समस्थानिक कालक्रम विज्ञानों के आधार पर उत्तराखंड हिमालय में 273 वर्ष के दीर्घ काल में बर्फ द्रव्यमान के क्षय की घटना की पुष्टि भी की।
8. नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन (एनआईएफ)- भारत ने सूखी लाल मिर्च के पर्ण कुंचन रोग और नाशक कीट पर जैव-प्रभावकारिता के लिए नौ वानस्पतिक औषध योग को विधिमान्य करने की सुविधा प्रदान की, जिनमें से सभी ने नियंत्रण की तुलना में काफी कम गंभीरता वाले रोग (डीएस), रोग आपतन (डीआई) और उच्च उपज के विषय में सूचना दी। श्वेत मक्षी और थ्रिप्स की समष्टि पर नियंत्रण में महत्वपूर्ण कमी भी एनआईएफ द्वारा पाई गई।
9. एसईआरबीकीयोजनादेशमें सीमित संख्या में जैव संरक्षा स्तर (बीएसएल)-3 और -4 सुविधा केन्द्र बनाने की है, जिनमें से कुछ जानवरों के लिए (ए-बीएसएल) लक्षित हैं।
10. कोडाईकनाल टनल दूरबीन के लिए ऑटोगाइडर सिस्टम को भारतीय तारा भौतिकी संस्थान (आईआईए) द्वारा निर्मित और परीक्षित किया गया।
11. मालिन 1 के आईआईए द्वारा किए गए एस्ट्रोसैट / यूवीआईटी प्रेक्षण से डिस्क पर, विशेष रूप से सर्पिल भुजों पर प्रकीर्णित, नव तारा निर्माण क्रियाकलाप परिलक्षित होता है। आकाशगंगा की तारकीय चक्रिका के आकार के समान केंद्रीय 9 " (~ 14 केपीसी) क्षेत्र में कई दूर-यूवी क्लंप्स हैं - जो हाल ही में तारा निर्माण गतिविधि का संकेत देते हैं। उच्च-रिज़ॉल्यूशन यूवीआईटी / एफ154डब्ल्यूप्रतिबिम्ब बार में गर्म, नये सितारों की उपस्थिति का संकेत करते हुए बार रीजन (~ 4 केपीसी) के भीतर सुदूर-यूवी उत्सर्जन को दर्शाता है।
12. भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री वेंकैया नायडू ने 29 दिसंबर 2020 को होसकोटे, बेंगलुरु ग्रामीण में आई आई ए के विज्ञान और प्रौद्योगिकी अनुसंधान और शिक्षा केंद्र (क्रेस्ट) परिसर का दौरा किया। माननीय उपराष्ट्रपति ने इस अवसर पर दो नव निर्मित सुविधा केन्द्रों भारत टीएमटी अप्टिक्स फार्मेशन फेसिलिटी (आईटीओएफएफ) और पर्यावरण जांच सुविधा केन्द्र (ईटीएफ) का उद्घाटन किया।
13. विभिन्न परियोजना गतिविधियां एंटीप्रोटन एंड आयन रिसर्च फेसिलिटी (फेयर), तीस मीटर टेलीस्कोप (टीएमटी) और भारत स्थित न्यूट्रिनो (आईओ) की स्थापना के लिए जारी रहीं। क्षेत्रीय वर्ल्डवाइड लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर कंप्यूटिंग ग्रिड (डब्ल्यूएलसीजी) टियर-2 सुविधा केन्द्रों ने चौबीसों घंटे काम करना जारी रखा।

14. **विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थान एस और टी अवसंरचना सुधार निधि (फिस्ट)** :आर एंड डी अवसंरचना प्रभाग द्वारा 25वीं फिस्ट सलाहकार बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। फिस्ट 2.0 के लिए चयनित प्रतीक चिह्न सचिव, डीएसटी द्वारा प्रवर्तित किया गया, जिन्होंने फिस्ट प्रभाव पर विस्तृत राष्ट्रीय रिपोर्ट भी जारी की। फिस्टाब ने वैज्ञानिक अवसंरचना निर्माण के लिए विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों और पीजी कॉलेजों के विभिन्न विषय क्षेत्रों में 86 प्रस्तावों के लिए 5 साल की अवधि में 79.335 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी और इसे अनुमोदन किया। फिस्ट सलाहकार बोर्ड (फिस्टाब) की बैठक में फिस्ट कार्यक्रम के विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया। अंतरविषयक समस्याओं, उत्पाद/सेवा विनिर्दिष्ट और अंतरणीय अनुसंधान को सहायित करने, और उद्योगों और स्टार्टअप और नवोन्मेषों को सम्मिलित करने की संभावना बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता को एस एंड टी अवसंरचना सुधार निधि सलाहकार बोर्ड (फिस्टाब) की 22 जनवरी, 2021 को हुई बैठक में आत्म निर्भर भारत के लक्ष्यार्थ रेखांकित किया गया। फिस्टाब ने शिक्षा जगत-उद्योग में संबंध जोड़ने की संभावना तलाशने, फिस्ट सुविधाओं के उपयोग में स्टार्ट-अप की भागीदारी करने और सैद्धांतिक विज्ञान के विकल्प को बढ़ावा देने वाली पारिस्थितिकी बनाने की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया। बैठक में अनुसंधान एवं विकास संस्थानों और विश्वविद्यालयों के 15 से अधिक विशिष्ट वैज्ञानिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।
15. **विश्वविद्यालय अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्कृष्टता संवर्द्धन (पर्स)**: पर्स विषयक कार्यक्रम प्रबंधन बोर्ड (पीएमबी) की ग्यारहवीं बैठक जनवरी 2021 में आयोजित की गई। पीएमबी ने पर्स के तहत प्रस्तावित शोध योजनाओं के वैज्ञानिक औचित्यों, उद्देश्यों और उपलब्धियों के बारे में गहनता से प्रस्तावों का मूल्यांकन किया। प्रस्तुति के लिए लघुसूचीयित कुल 13 प्रस्तावों में से चार (04) प्रस्तावों की सिफारिश विभिन्न मात्रा में निधि के साथ वैज्ञानिक अवसंरचना निर्माण और विश्वविद्यालय तंत्र में अनुसंधान पारिस्थितिकी सुदृढीकरण के लिए सहायता हेतु की गई।
16. **परिष्कृत विश्लेषण और तकनीक सहायता संस्थान "- (साथी)**
- 04 जनवरी 2021 को पांचवीं विशेषज्ञ समिति (ईसी) की बैठक हुई, जो हाल ही में सहायित "परिष्कृत विश्लेषण और तकनीक सहायता संस्थान" (साथी) केंद्रों के अभ्यावेदनों की समीक्षा करने और राष्ट्र के अनुसंधान और विकास अवसंरचना को मजबूत करने के लिए वर्तमान वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान प्रत्येक साथीसुविधा केन्द्र के लिए उपकरण चयन पर दूसरे दौर की चर्चा के लिए माइक्रोसॉफ्ट टीम की बैठक थी।
 - 15वीं "साथी की बात" बैठक 21 जनवरी, 2021 को आयोजित हुई, जो तीन मेजबान संस्थानों (आईआईटी दिल्ली, आईआईटी खड़गपुर और बीएचयू-वाराणसी) में हाल ही में सहायित "परिष्कृत विश्लेषण और तकनीक सहायता संस्थान" (साथी) केंद्रों की समीक्षा करने और नवीनतम वित्तीय कागजात और धारा-8कंपनी फर्मुलेशन/गठन पर चर्चा करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट टीमों की बैठक थी।
17. **परिष्कृत विश्लेषण उपकरण सुविधा केन्द्र (सैफ)**
- संचालन समिति की सिफारिशों के अनुसार, कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ और गुजरात में सैफ केंद्रों को निधियां केंद्रों में अनुसंधान और विकास अवसंरचना के सुदृढीकरण के लिए निर्मुक्त की गई। इस विशेष पैकेज के तहत, कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़, नेहू शिलांग, केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान लखनऊ, अनुप्रयुक्त अनुसंधान और परीक्षण परिष्कृत यंत्रीकरण केन्द्र, गुजरात और गुवाहाटी विश्वविद्यालय स्थित सैफ केंद्रों को "कोविड राहत अनुदान" कोविड-19 महामारी से उत्पन्न राजस्व ह्रास को पूरा करने के लिए सैफ केंद्रों को निर्मुक्त किया गया।
 - सैफ आईआईटी बॉम्बे द्वारा जनवरी महीने में मास स्पेक्ट्रोस्कोपी, एटम प्रोब टोमोग्राफी, स्टेम आदि जैसे

विषयों पर चार वेबिनारों का आयोजन किया गया ।

18. एनएसडीआईसाझेदारी एजेंसियों के साथ एनडीआर जियो-पोर्टल उपलब्धि (क्रिडेंसियल्स) साझाकरण:02-05 नवंबर 2020 को आयोजित अपनी 5वीं बैठक में "एनएसडीआई अनुप्रयोग प्रौद्योगिकी " विषयक एनएसडीआई विशेषज्ञ समिति की सिफारिशों पर, एनएसडीआई द्वारा निर्मित/तैयार की गई अंतिम प्रयोक्ता नियमावली के साथ नेशनल डाटा रजिस्ट्री (एनडीआर) जियो-पोर्टल तक अभिगम्य उपलब्धि (क्रिडेंसियल) को उपयोग और फीडबैक के लिए एनएसडीआई और राज्य एसडीआई साझेदार एजेंसियों के साथ साझा किया गया है ।
 19. 'साइबर सुरक्षा आधार पाठ्यक्रम' प्रशिक्षण: माननीय प्रधानमंत्री के निर्देश पर और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के सहयोग से, एनएसडीआई ने सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सीडीएसी) हैदराबाद द्वारा आयोजित "साइबर-सुरक्षा आधार पाठ्यक्रम" पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया । एनएसडीआई और एनडीआर जियो-पोर्टल फायरवॉल लॉग की नियमित रूप से समीक्षा सुरक्षा भंग का अभिज्ञान और निवारण करने के लिए की जा रही है ।
 20. 'ब्लॉक-चेन प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग निर्माण' प्रशिक्षण
व्यापार निष्पादन सहजता की अपेक्षा के संदर्भ में भू-स्थानिक आंकड़ा सुरक्षा के महत्व को ध्यान में रखते हुए, एनएसडीआई के तीन अधिकारियों ने सेंटर ऑफ डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सीडीक), हैदराबाद द्वारा आयोजित किए जा रहे ' ब्लॉक-चेन प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग निर्माण ' विषयक प्रशिक्षण में भाग लिया। प्राप्त गहन जानकारी का उपयोग जिओ-पोर्टलों और डेटा सेवाओं को सुरक्षित करने की कार्यरतियों को लागू करने में किया जाएगा।
 21. गृह मंत्रालय, बीआरओ, विदेश मंत्रालय, भारतीय सर्वेक्षण और मणिपुर सरकार के अधिकारियों के दल ने भारत-म्यांमार अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर बीपी संख्या 79 से बीपी संख्या 81 के बीच घेराबंदी का काम शुरू करने के संबंध में संयुक्त सचिव (एनई एंड बीएम-1) गृह मंत्रालय के नेतृत्व में 21-01-2021 से 22-01-2021 तक भारत-म्यांमार सीमा के मणिपुर क्षेत्र में इंफाल का दौरा किया।
- छ सौर ऊर्जा उत्पादन :** ऊर्जा सुरक्षा प्रदान करने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग के लिए सरकार की बढ़ी हुई प्राथमिकता को ध्यान में रखते हुए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के टेक्नोलॉजी भवन परिसर में 07 जनवरी, 2019 को रूफ टॉप सोलर प्लांट (350 किलोवाट) कार्यशील किया गया। स्थापना के बाद से और 12 जनवरी, 2021 तक, सौर संयंत्र ने कुल 6,99,984 (बीएफ 6,74,157 + 25,827 वर्तमान अवधि के लिए) विद्युत इकाइयों (केडब्ल्यूएच) को, तदनु रूप बचत 59,50,000 रुपये + लागू कर और अन्य प्रभार के साथ, उत्पन्न किया ।
